University in News on 11 March 2022

TRUE TIMES PAGE 2

'एनईपी 2020: विजन टू एक्शन' कार्यशाला का तीसरा दिन

टू टाइम्स संवाददाता

मानव संसाधन विकास केंद्र, लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित 'एनईपी 2020: विजन टू एक्शन' के सात दिवसीय कार्यशाला का तीसरे दिन प्रो. कमल कुमार, निदेशक, एचआरडीसी और प्रो. कीया पांडे, कार्यशाला समन्वयक, और विभागाध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा समन्वयित किया गया। प्रो. निशि पांडे, निदेशक, महिला विकास केंद्र, लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रतिभागियों को 'भारतीय ज्ञान प्रणाली, भाषा, कला और संस्कृति' विषय पर व्याख्यान दिया, और एनईपी 2020 में इसके पहलुओं पर चर्चा की।

सम्मानित वक्ता ने शिक्षा प्रणाली और उसके हितधारकों को 'बौद्धिक रूप से उपनिवेशवाद से मुक्त' करने की आवश्यकता को निर्दिष्ट करते हुए, बहुसंस्कृतिवाद, बहुभाषावाद, भारतीय पारंपरिक ज्ञान प्रणाली, मूल भाषा और मातृभाषा, बहु-विषयक शिक्षा के महत्व, समग्र क्षेत्रीय और स्थानीय अनुसंधान के अवसर, क्रेडिट बैंक, सेमेस्टर प्रणाली, भारतीय केंद्रित पाठ्यक्रम, वैकल्पिक शिक्षा प्रणाली। जैसे विशिष्ट क्षेत्रों पर प्रतिभागियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 न केवल शिक्षक और मूल्यांकन सुधारों का आह्वान करता है बल्कि संस्कृति और छात्र-समावेशी दृष्टिकोण पर भी जोर देता है। यह प्रधानमंत्री के शब्दों से स्पष्ट है कि जब एक शिक्षक सीखता है, तो एक राष्ट्र आगे बढ़ता है। इस प्रकार, शिक्षकों में निरंतर सीखने की आवश्यकता और प्रेरणा छात्रों को एक वैश्विक दुनिया और 'शिक्षक की गरिमा की अवधारण' के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्थानीय, क्षेत्रीय और भारत-केंद्रित अनुसंधान को बढ़ावा देने और उत्पादन करने के लिए भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई) और राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की भूमिका पर भी चर्चा की। प्रो. पांडे के व्याख्यान में भारतीय बौद्धिक परंपरा, भारतीय सौंदर्य विद्यालय, भारतीय संस्कृति, मूल्य प्रणाली में गहरी अंतर्दृष्टि शामिल थी। उन्होंने प्रतिभागियों से 'आउट ऑफ द बॉक्स' और लचीली शिक्षण विधियों को पेश करने का आग्रह करते हुए व्याख्यान समाप्त किया। यह हमारे राष्ट्र के समग्र विकास के लिए विशेष रूप से आवश्यक है। दोपहर के सत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय में सांख्यिकी विभाग के डीन रिसर्च और हेड प्रोफेसर राजीव पांडे ने एनईपी 2020 में 'स्टेप्स इन रिसर्च' पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने पुरानी शोध पद्धति और नई के बीच अंतर लाने की कोशिश की। उन्होंने बाजार में उपलब्ध अनुसंधान प्रोसेसर और नई शिक्षा नीति 2020 के तहत बहु-विषयक अनुसंधान के लिए उनका उपयोग कैसे किया जा सकता है, इस पर भी बात की।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : छह नकलची पकड़े गए

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक परीक्षाओं में नकल पर नकेल लगती नहीं दिख रही है। विवि की सेमेस्टर परीक्षाओं में बृहस्पतिवार को छह नकलची पकड़े गए। दोनों पालियों में बीए, बीएससी, बीकॉम तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं थीं। अटल ब्लॉक में शौचालय में नकल सामग्री पड़े होने की सूचना पर प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम ने जांच की और वहां से कॉपी-किताब, पर्ची आदि को हटवाया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)